कुल प्रश्नों की संख्या : 13] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

XIHY-202010

विषय : हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्नों पर आबंटित अंक उनके सामने अंकित किए गए हैं।

(iii) प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।

(iv) खण्ड-(क) में अपठित गद्यांश एवं अपठित पद्यांश हैं। कुल 10+06=16 अंक हैं।

(v) खण्ड-(ख) में कार्यालयीन हिन्दी और रचनात्मक लेखन है। इसमें 20 अंक निर्धारित हैं।

(vi) खण्ड-(ग) में पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न हैं। आरोह भाग 1 से 32 अंक और वितान से 12 अंक, कुल 44 अंक निर्धारित हैं।

(vii) कुल प्रश्नों की संख्या 13 है।

खण्ड-(क)

(अपठित गद्यांश)

प्रश्न-1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को सम्यक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

''संस्कार ही शिक्षा है। शिक्षा इंसान को इंसान बनाती है। आज के भौतिकवादी युग में शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य सुख पाना रह गया है। अंग्रेजों ने इस देश में

अपना शासन व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए ऐसी शिक्षा को उपयुक्त समझा, किन्तु यह विचारधारा हमारी मान्यता के विपरीत है। आज की शिक्षा प्रणाली एकांगी है। उसमें व्यावहारिकता का अभाव है। श्रम के प्रति निष्ठा नहीं है। प्राचीन शिक्षा प्रणाली में आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक जीवन की प्रधानता थी। यह शिक्षा केवल नौकरी के लिए नहीं, जीवन को सही दिशा प्रदान करने के लिए थी। अतः आज के परिवेश में यह आवश्यक हो गया है कि इन दोषों को दूर किया जाए अन्यथा यह दोष सुरसा के समान हमारे सामाजिक जीवन को निगल जाएगा।''

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए। **(01)**

(ख) शिक्षा क्या है? **(01)**

(ग) भौतिकवादी युग में शिक्षा का उद्देश्य क्या है? **(02)**

(घ) वर्तमान शिक्षा प्रणाली कैसी है? **(02)**

(ङ) प्राचीन शिक्षा प्रणाली की विशेषताएँ लिखिए। **(02)**

(च) शिक्षा का महत्व लिखिए। **(02)**

प्रश्न-2 निम्नलिखित अपठित काव्यांश को सम्यक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (कोई 6) **(1×6=6)**

''यह धरती फल-फूल, अन्न-धन, रत्न उगलने वाली।
यह पालिका मृगव्य जीव की अटवी सघन निराली।।
तुंग-शृंग ये शैल कि जिनमें हीरक रत्न भरे हैं।
ये समुद्र, जिनमें मुक्ता विद्रुम प्रवाल बिखरे हैं।।

(क) धरती क्या-क्या उगलती है?

(ख) मृगव्य जीव की पालिका कौन है?

(ग) हीरक रत्न कहाँ भरे हैं?

(घ) प्रवाल कहाँ बिखरे हैं?

(ङ) 'वन' का कौन–सा पर्यायवाची शब्द इस काव्यांश में प्रयुक्त हुआ है?

(च) 'सघन' का विलोम शब्द लिखिए जो यहाँ प्रयुक्त हुआ है।

(छ) शृंग का क्या तात्पर्य है?

खण्ड-(ख)

(कार्यालयीन हिन्दी और रचनात्मक लेखन)

प्रश्न-3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए- **(08)**

(क) स्वच्छ भारत मिशन – हमारा दायित्व

(ख) भारतीय संस्कृति

(ग) जीवन में खेल का महत्व।

(घ) अन्तरिक्ष विज्ञान और भारत।

प्रश्न-4 राशन वितरण में अनियमितता संबंधी शिकायत के लिए जिलाध्यक्ष बिलासपुर को आवेदन पत्र लिखिए। **(05)**

अथवा

अपने प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिए जिसमें खेल का सामान उपलब्ध कराने की प्रार्थना की गई हो।

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए-

(क) जनसंचार के दो प्रमुख माध्यमों के नाम लिखिए। **(01)**

(ख) भारत में पहला समाचार-पत्र कब व कहाँ प्रकाशित हुआ? **(01)**

(ग) एनकोडिंग क्या है? **(01)**

(घ) पेज थ्री पत्रकारिता किसे कहते हैं? **(01)**

प्रश्न-6 चन्द्रयान मिशन पर प्रतिवेदन तैयार कीजिए। **(03)**

अथवा

''सेल्फी का बढ़ता बुखार'' - इस विषय पर संक्षिप्त आलेख तैयार कीजिए।

खण्ड-(ग)

(पाठ्य पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

(अ) काव्य भाग

प्रश्न-7 **निम्नलिखित काव्यांश को सम्यक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

''लहराते वे खेत दृगों में
हुआ बेदखल वह अब जिनसे,
हंसती थी उसके जीवन की
हरियाली जिनके तृन-तृन से।
आँखों ही में घूमा करता
वह उसकी आँखों का तारा,
कारकुनों की लाठी से जो
गया जवानी ही में मारा!''

(क) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि ने किसकी दशा का वर्णन किया है? **(02)**

(ख) कारकूनों की लाठी से कौन मारा गया? (02)

(ग) पद्यांश में आए हुए मुहावरों को पहचानकर लिखिए तथा वाक्य बनाइए। (1+1=2)

प्रश्न-8 **(अ) निम्नलिखित काव्यांश का भाव-सौंदर्य लिखिए-** **(03)**

''हे संजीले हरे सावन,
हे कि मेरे पुण्य पावन,
तुम बरस लो वे न बरसें
पाँचवें को वे न तरसें,
मैं मजे में हूँ सही है,
घर नहीं हूँ बस यही है,
किन्तु यह बस बड़ा बस है,
इसी बस से सब विरस हैं।

(ब) निम्नलिखित काव्यांश का आशय स्पष्ट कीजिए- ***(03)***

''कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए,
कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए!
यहाँ दरख्तों के साये में धूप लगती है,
चलो यहाँ से चलें और उम्र भर के लिए।''

प्रश्न-9 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित विषय-वस्तु के अनुसार लिखिए-**

(कोई 2) **(2×2=4)**

(क) कबीर ने ऐसा क्यों कहा है कि संसार बौरा गया है?

(ख) चंपा ने ऐसा क्यों कहा कि कलकत्ता पर बजर गिरे?

(ग) गज़ल दुष्यंत कुमार के किस गज़ल-संग्रह से ली गई है?

(ब) - गद्य भाग

प्रश्न-10 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

''वंशीधर ने धन से बैर मोल लिया था, उसका मूल्य चुकाना अनिवार्य था। कठिनता से एक सप्ताह बीता होगा कि मुअत्तली का परवाना आ पहुँचा। कार्य-परायणता का दण्ड मिला। बेचारे भग्न हृदय, शोक और खेद से व्यथित घर को चले। बूढ़े मुंशी जी तो पहले ही से कुड़ा-बुड़ा रहे थे कि चलते-चलते इस लड़के को समझाया था, लेकिन इसने एक न सुनी। सब मनमानी करता है! हम तो कलवार और कसाई के तगादे सहें, बुढ़ापे में भगत बनकर बैठें और वहाँ बस वही सूखी तनख्वाह!''

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए। **(01)**

(ख) कार्य-परायणता का दण्ड किसे और किस रूप में मिला? **(02)**

(ग) किसने किससे बैर लिया था? **(02)**

(घ) बुढ़ापे में भगत बनकर बैठने से क्या आशय है? **(02)**

प्रश्न-11 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **(3+3+3=9)**

(क) लेखिका मियाँ नसीरुद्दीन के पास क्यों गई थीं?

(ख) लार्ड कर्जन की इच्छा क्या थी? उसका क्या कुपरिणाम हुआ?

(ग) केलंग का बादशाह काजा के सूबेदार से क्यों डरता है?

(घ) अमित अपनी माँ से क्यों नाराज होता है?

प्रश्न-12 कुमार गंधर्व ने लता मंगेशकर को बेजोड़ गायिका माना है, क्यों? **(04)**

अथवा

निम्न शब्दों के बारे में जानकारी दें-

पालरपानी, पातालपानी, रेजाणीपानी

प्रश्न-13 (क) वर्तमान परिप्रेक्ष्य में "राजस्थान की रजत बूंदें" पाठ की उपयोगिता विस्तार से बताइए। **(04)**

अथवा

"आलो-आँधारि" रचना व्यक्तिगत समस्याओं के साथ-साथ कई सामाजिक मुद्दों को समेटे है। सिद्ध कीजिए।

(ख) भारतीय कला व संस्कृति में क्या अंतर्संबंध हैं? **(04)**

अथवा

भारतीय लोक नृत्यों के विषय में प्रकाश डालिए।